भारत में ग्रामीण महिला श्रमिकों की स्वास्थ्य संकेतक

डॉ0 सबिता कुमारी

विश्व स्वाास्थ्य संगठन यूनिसेफ तथा एन0 एच0 एफ0 एस0– 03 के आकड़ो तथा गैर–सरकारी संगठनो की शोध रिपोर्टो के निष्कर्षो के अनुसार हमारे यहाँ ग्रामीण महिला श्रमिको की स्वास्थ्य देश के आम नागरिको की तुलना में कही अधिक निम्न स्तरीय है। भारत में ग्रामीण महिला श्रमिक लिंगभेद के कारण बचपन में कुपोषण ग्रस्त हो जाती है। दूसरी ओर पुरूषो की तुलना में वे अधिक कार्यबोझ से दबी होती है जो उनकी स्वास्थ्य स्थिति को और अधिक बिमार बना देती है।

12वीं पंचवर्षीय योजना के प्रारूप में स्वास्थ्य क्षेत्र पर खर्च बढ़ाने की जरूरत पर बल दिया गया है। 12 वीं योजना में स्वास्थ्य पर कुल सरकारी खर्च को घरेलु उत्पाद का 2.5 प्रतिशत बढ़ाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। साथ ही 12वीं योजना में बीमारी की रोकथाम तथा महिला श्रमिकों के अच्छे स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय उन एजेंसियों के साथ काम कर रहा है जो पोषण, पीने के साफ पानी, सफाई और स्वच्छता तथा शिक्षा जैसे स्वास्थ्य की समाजिक निर्धारकों के साथ काम करती है।